मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
भोपाल (म.प्र.) - ४६२०५१

केंद्रीय पुस्तकालय

दिनांकः ०१/०८/२०१२

केंद्रीय पुस्तकालय में नवस्थापित हिंदी खण्ड में अनेक स्तरीय पुस्तकें उपलब्ध हैं किंतु स्तरीय पुस्तकों की ख़ोज और पुस्तकालयीन संग्रह में उनका समावेशन एक श्रमसाध्य एवं अनवरत प्रवाहमान प्रक्रिया है। यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि कोई भी प्रक्रिया अपने आप में पूर्ण नहीं होती और हिंदी खण्ड भी कोई अपवाद नहीं है। यहाँ भी सुधार की अनंत संभावनाएँ हैं लेकिन ये सुधार सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और गहन संबद्धता से ही संभव है। साहित्यिक अभिरूचि रखने वाले समस्त सदस्यों से आत्मीय अनुरोध है कि वे अपने वृहद् साहित्य ज्ञान एवं विशेषज्ञता को स्वयं तक सीमित रखने के बजाय व्यावहारिक धरातल पर केंद्रीय पुस्तकालय और उसके हिंदी खण्ड की प्रगति में सहभागी बनें। केंद्रीय पुस्तकालय का संपूर्ण अस्तित्व ही अपने सदस्यों के स्नेह और उत्साहवर्धन पर आधारित है और उसके मूल अवधारणात्मक ढांचे में न केवल सकारात्मक दृष्टिकोण से प्रेषित सभी सुझावों एवं अनुशंसाओं का हार्दिक स्वागत है बल्कि उन्हें समाहित करने के लिये पर्याप्त जगह भी अंतर्निहित है। हमें आपके सुझावों और अनुशंसाओं का तहेदिल से इंतज़ार रहेगा।

भवदीय,

(प्रो. अजय पाण्डेय)
अध्यक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय परामर्शदायी समिति